पाक्षिक

टेक्सटाइल वर्ल्ड

SINCE 1998

Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 09-03-2024 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-26 | अंक-18 | भीलवाड़ा/07 मार्च, 2024 | कुल पृष्ठ- 26 | मूल्य : 25 रुपए

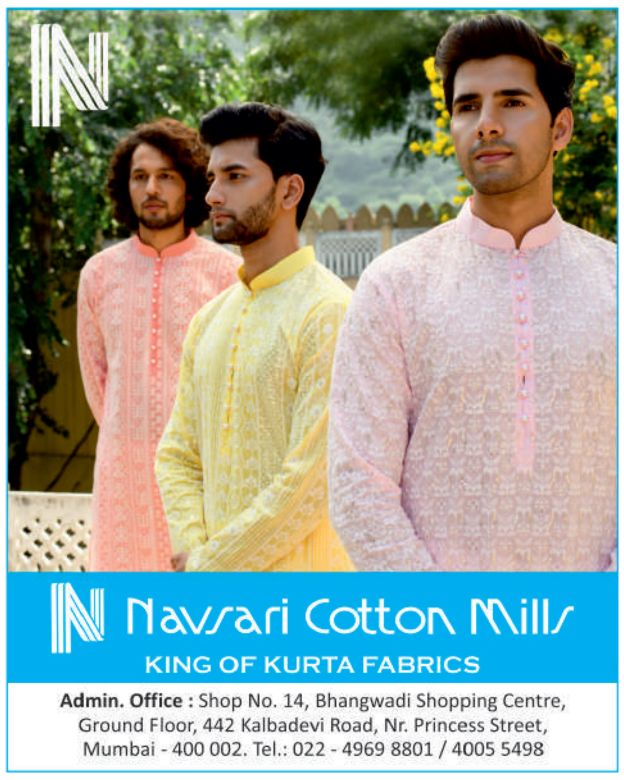

गारमेंट में समर सीजन की आइटमों में अच्छे कारोबार की संभावना

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डे

गारमेंट बाजार में भारी उदासीनता है। थोक एवं रिटेल कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। कपड़ों की व्यापक चैन में गारमेंट ही एक ऐसा खंड रहा है, जहां भारी मंदी में भी कारोबार चलता रहा है। लेकिन फरवरी में कारोबार गड़बड़ाया तो अब मार्च महीने में भी इस खंड में ग्राहकी की संभावना कम लग रही है। एमएसएमई को भुगतान के नये नियमों से बढ़ी उलझने जब तक दूर नहीं की जाती है, तब तक कपड़ों के साथ गारमेंट कारोबार पर इसका विपरीत असर रहेगा। यद्यपि समर सीजन और स्कूल यूनिफार्म की ग्राहकी के दिन है, फिर भी बाजार में समर की ग्राहकी नहीं है। रमजान की ग्राहकी जल्द शुरू होने की संभावना है।

व्यापारियों का कहना है कि गारमेंट में ग्राहकी पहले भी बहुत अच्छी नहीं थी। कुछ-कुछ कारोबार गिनी चुनी वैरायटी में हो रहा था। होजरी आइटमों में भुगतान समय पर होता है, लेकिन अन्य गारमेंट में रिटेलर्स की ओर से भुगतान कम से कम 60 दिनों के बाद ही संभव होता। इससे कम अवधि में भुगतान नहीं होता है। इसलिए रिटेल स्तर पर इसका कोई गंभीर प्रभाव नहीं है, लेकिन गारमेंट उत्पादन गतिविधियां जरुी धीमी है। कपड़ों की खरीदी धीमी है। सिर्फ जरुरी कपड़ों की ही खरीदी की जा रही है, ताकि गारमेंट का उत्पादन नहीं रोकना पड़े। अभी तो जेंट्स गारमेंट में पैंट, शर्ट, टी-शर्ट और कुर्ता इत्यादि की मांग में कोई सुधार नहीं है।

समर सीजन को लेकर उत्पादकों से लेकर रिटेलरों की तैयारी बड़े स्तर पर की गई है। बाजारों में समर के माल आ गए है। लेडीज आइटमों में हल्का मूवमेंट भी शुरू हो गया है। इसके साथ ही स्कूल यूनिफार्म की ग्राहकी निकलने वाली है। रमजान की भी ग्राहकी निकट है। माना जा रहा है कि कपड़ों के साथ गारमेंट में लंबे समय से अच्छी ग्राहकी नहीं चलने के बाद अब अप्रेल महीने से गारमेंट में कारोबार अच्छा चलेगा। अभी मार्च एंडिंग और एमएसएमई को भुगतान के नये नियमों के कारण ग्राहकी में अवरोध बना हुआ है। लेकिन जैसे ही मार्च एंडिंग हो जाता है, बाजार में कारोबार होने लगेगा और तब लंबी अवधि की ग्राहकी रहेगी।

एमएसएमई और आयकर धारा 43 बी (एच) के प्रावधानों पर सीए शाखा एवं लघु उद्योग भारती, भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

भीलवाड़ा/सत्यप्रकाश

दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भीलवाड़ा शाखा एवं लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वाधान में कार्यशाला का आयोजन 24 फरवरी को पटेल नगर स्थित आई. सी.ए.आई. भवन पर आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष सीए श्री दिनेश आगाल ने बताया कि इस सेमिनार में भीलवाड़ा के टेक्सटाइल व्यवसायी, उद्योगपति, व्यापारी, सीए सदस्यों ने भाग लिया। साथ ही श्री आगाल ने बताया कि आयकर धारा 43 बी (एच) के प्रावधान वित्तीय वर्ष 2023-24 से लागू किये गए हैं। प्रावधानों के स्पष्टीकरण और व्यवसायियों के सवालों के निराकरण कराने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीलवाड़ा सांसद सीए श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया थे एवं मुख्य अतिथि जयपुर से आए सीए आर. एन. महरवाल थे।

मुख्य अतिथि सीए श्री सुभाष चंद्र बहेड़िया ने बताया कि एमएसएमई व आयकर धारा 43 बी (एच) के प्रावधान सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए व्यवसाय में बकाया राशि को जल्दी से जल्दी प्राप्त करने में सहायक होंगे और दीर्घकाल में फायदेमंद साबित होंगे। कार्यक्रम के दौरान लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री शम्भू प्रसाद काबरा ने बताया कि नए प्रावधानों में स्पष्टीकरण की जरूरत है ताकि यह प्रावधान उद्यमियों के व्यवसाय पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। साथ ही श्री काबरा ने सांसद महोदय से इन प्रावधानों को स्थगित करने का आग्रह किया।

केन्द्र सरकार से नये कानून को स्थगित करने का आग्रह

शाखा सचिव सीए श्री आलोक सोमानी ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ने एमएसएमई डवलपमेंट एक्ट और आयकर की धाराओं की विस्तृत में चर्चा करते हुए बताया कि आयकर धारा 43 बी (एच) के तहत अगर किसी भी व्यक्ति का सूक्ष्म एवं लघु उद्यमी से बकाया हैं तो उसका भुगतान एमएसएमई एक्ट में दी गयी समय सीमा के भीतर करना होगा अन्यथा इस राशि को खर्चे के रूप में क्लेम नहीं किया जा सकेगा एवं बकाया राशि को उस वित्त वर्ष की आय में जोड़ दिया जायेगा। एमएसएमई कानून के अनुसार आपूर्तिकर्ता को भुगतान करने के लिए 15 से 45 दिन की समय सीमा दी गई है। यह प्रावधान केवल सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के लिए लागू हैं, मध्यम उद्यमियों के लिए यह प्रावधान लागू नहीं है। कार्यक्रम में सीए सदस्य सीए सर्वश्री अतुल सोमानी, बी. गुप्ता. नरेश जागेटिया, शिव झंवर, रामेश्वर लाल बिरला, दिनेश लड्डा, मुरली अटल, सोनेश काबरा, विनीत जैन, दिनेश सुथार, शिव कचोलिया, कैलाश चन्द्र बाहेती, अरुण काबरा, सुनील सोमानी, गरिमा गगरानी, सुनीता तोषनीवाल, आलोक पलोड़ एवं लघु उद्योग भारती से प्रदेश संयुक्त सचिव राजकुमार मेलाना प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संजीव चिरानिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष महेश हुरकट इकाई अध्यक्ष शंभू प्रसाद काबरा, ग्रोथ सेंटर इकाई सचिव गिरीश अग्रवाल, महिला इकाई प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य चंदा मूंदड़ा, अध्यक्ष पल्लवी लड्डा, कोषाध्यक्ष शशि काबरा, कार्यकारिणी सदस्य सत्यनारायण झंवर, शिव प्रकाश झंवर, संजय हुरकट, हरि अग्रवाल, जगदीश सोनी, जगदीश अग्रवाल, हरगोविंद सोनी, सुनील मेहता, अंकित राठी एवं अन्य सदस्यों सहित लगभग 250 से अधिक भीलवाड़ा के टेक्सटाइल व्यवसायी, उद्योगपति, व्यापारी, सीए सदस्य उपस्थित थे।

सीमा सिन्थेटिक्स के फैक्ट्री परिसर में श्री हनुमान मंदिर की स्थापना

भीलवाड़ा/ टेक्सटाइल सिटी भीलवाड़ा में बेस्ट क्वालिटी यूनिफॉर्म फैब्रिक उत्पादक के रूप में मशहूर कंपनी सीमा सिन्थेटिक्स, जो कि पूरे देश SKETCHERS ब्राण्डनेम से बड़े स्तर पर यूनिफॉर्म फैब्रिक्स सप्लाई के लिए जानी जाती है। व्यवसाय के व्यवसाय के साथ-साथ धार्मिक आस्था में विश्वास रखने वाले कंपनी के डायरेक्टर श्री प्रहलाद सोनी ने हाल ही फैक्ट्री में मंदिर का निर्माण करवाया, जिसमें विगत दिनों पूरे विधी विधान से रामभक्त श्री हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिन संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया तथा दूसरे दिन प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें भीलवाड़ा के कई गणमान्य व्यक्तियों सहित टेक्सटाइल इण्डस्ट्री के जाने माने व्यवसायियों शिरकत की।

वस्त्रोद्योग में फिर से निराशा

बजट में कुछ खास नहीं

कोल्हापुर/ राज्य में उपमुख्यमंत्री श्री अजित पवार ने विधानसभा में राज्य का अंतरिम बजट पेश किया। इस अंतरिम बजट में खेती के बाद रोजगार देने वाले वस्त्रोद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा ऐसी अपेक्षा वस्त्रोद्योग में थी लेकिन राज्य सरकार की ओर से हमेशा की तरह वस्त्रोद्योग में निराशा मिली। बजट में वस्त्रोद्योग के बारे में जानकारी देते समय एकात्मिक और शाश्वत नीति जाहीर की है। इसमें अंत्योदय शिधापत्रिकाधारक पर एक परिवार को एक साड़ी का मुफ्त में वितरण किया जाएगा। साथ ही में राज्य के अलग-अलग वस्त्रोद्योग सेक्टर में 18 लघु वस्त्रोद्योग संकुल खड़े किए जाएंगें जिसमें 36 हजार निर्माण होगा ऐसा स्पष्ट किया है।

देश के वस्त्रोद्योग में महाराष्ट्र का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें कुल वस्त्रोद्योग उत्पादन में 10.4 फीसदी और रोजगार में 10.2 योगदान है। महाराष्ट्र में लगभग 12.70 लाख पावरलूम है जहां 30 लाख लोगों के इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है। लेकिन वर्तमान समय में इस उद्योग में बड़ी मंदी है। कपड़े को अपेक्षित दर और मांग नही आ रही है। शासन स्तर पर हमेशा उदासीन भूमिका रही है। वस्त्रोद्योग के चुनिंदा घटकों को मदद मिली है। लेकिन पावरलूम उद्योग को अपेक्षित प्रोत्साहन बीते कई सालों से नही मिला है। इसके बारे में महाराष्ट्र के सभी केंद्रों से दबाब आने के बाद राज्य सरकार ने अभ्यास समिति का गठन किया। मंत्री दादा भुसे की अध्यक्षता में निर्माण हुई इस समिति में विधायक श्री प्रकाश आवाडे के साथ और कई गणमान्य शामिल थे।

इस समिति की ओर से अलग-अलग वस्त्रोद्योग सेक्टर से प्रस्ताव संकलित कर वस्त्रोद्योग को बूस्टर डोस देने के बारे में अपना अहवाल राज्य शासन को सौपा। जिसमें बजट में कुछ मिलेगा और नवसंजीवनी मिलेगी ऐसी अपेक्षा वस्त्रोद्योग जगत से की जा रही थी लेकिन हमेशा की तरह वस्त्रोद्योग की ओर अनदेखी की है।

समाचार पत्र विवरण फार्म 4 (नियम 8)

1. समाचार-पत्र का नाम	:	टेक्सटाइल वर्ल्ड
2. प्रकाशन का स्थान	:	सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
3.प्रकाशन अवधि	:	पाक्षिक
4.मुद्रक का नाम	:	योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
5.प्रकाशक का नाम	:	योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलावड़ा (राजस्थान)
6.सम्पादक का नाम	:	योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	सी-127,आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
7.उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के	:	एस एस एस मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि.
स्वामी हैं तथा जो समस्त	:	योगेन्द्र शर्मा
पूंजी के 1 प्रतिशत से	:	अर्पिता दाधीच
अधिक के हिस्सेदार हो।	:	सी-127,आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा (राजस्थान)

मैं योगेन्द्र शर्मा एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

स्थानः भीलवाड़ा — योगेन्द्र शर्मा

दिनांकः 29 फरवरी 2024 — प्रकाशक

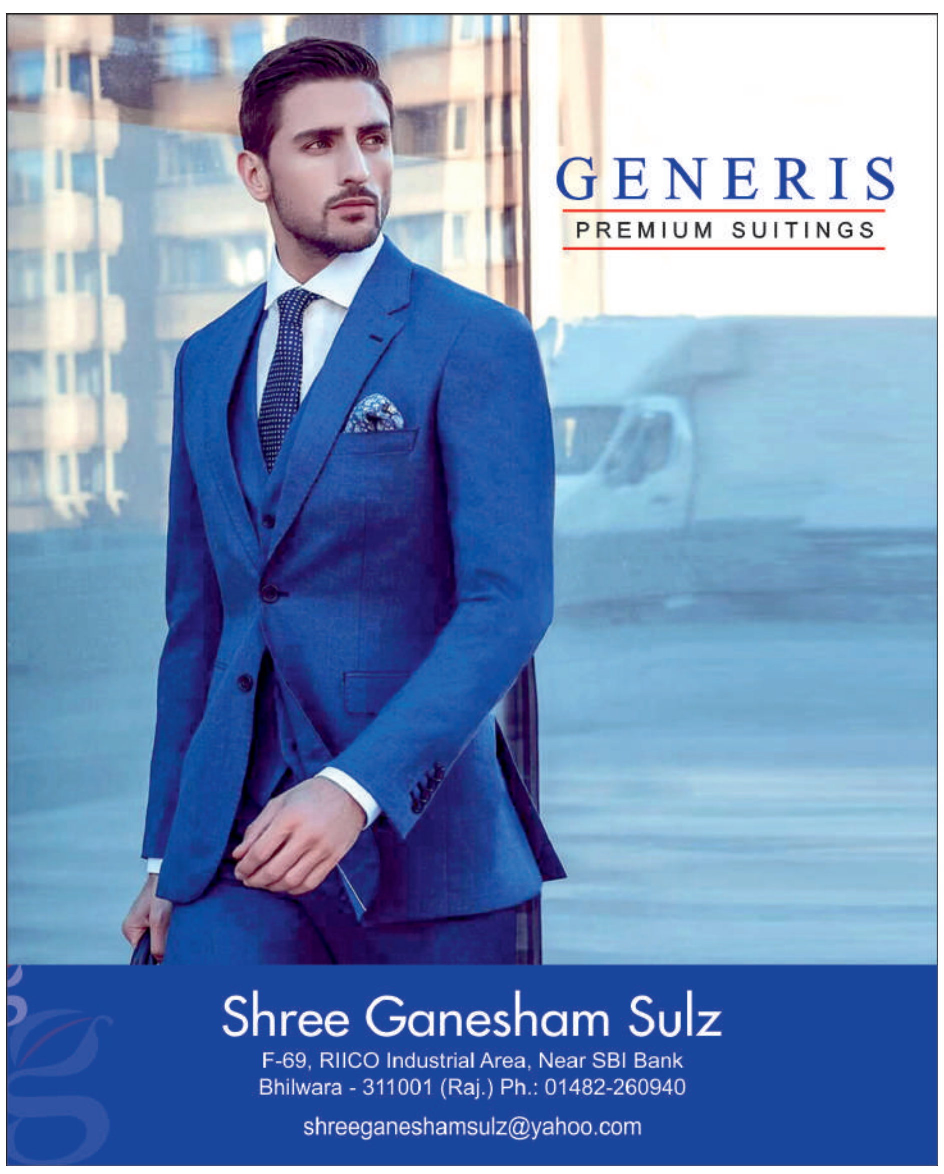

45 दिन में पेमेंट की धारा से व्यापार का कबाड़ा

निज़ामाबाद/ जुगल किशोर झंवर

कहावत है कान में अधिक मांस आने पहले ही बरसात के सीजन में बरसात नहीं ऊपर से अधिक मास यानी 13 महीने का साल। वही हाल कपड़ों वालों का है पहले ही किराए की 50 प्रतिशत हो गई रही सही कसर इस कानून ने करी और भी मुख्य लगन सराय में। कपड़े का व्यापार चलता ही उद्यान के भरोसे हैं सर्वे भी आया है कि भारत में लोग खाने से ज्यादा कपड़े पर खर्च करते हैं क्या कपड़े इतनी जल्दी पढ़ते हैं नहीं ना आजकल तो कपड़े पहनने वाले थक जाते हैं कपड़े नहीं पड़ते फिर भी कपड़े बिकते हैं कारण भारतीय संस्कृति त्यौहार शादी ब्याह देने लेने के वजह से कपड़े बाकी रहे हैं जो प्रोफेसर में अच्छी नौकरी चाहे सरकारी हो या प्राइवेट अच्छी सैलरी हो तो ठीक है बाकी कपड़े की दुकान से दुकान का किराया आदमियों का वेतन लाइट बिल पीड़ति मालकर का खर्च निकलना दूर पर हो गया है उधारी आना भी उधारी देना कि है इसीलिए दुकान लेकर बैठे हैं नई पीढ़ी सब नौकरी में देश या विदेश जा रहे हैं वह भी घर में एक से दो बच्चे हैं आगे संभव लेना वाले नहीं आते व्यापार बढ़ाना नहीं है सो उदारी वसूल करने के लिए दुकान चलाना है 10 में दो दुकानदार दुकान चल रही है बड़ी ताकत से करने वाले का काम जमाना है बड़े-बड़े शोरूम रेडीमेड का चलन सबका असर है ऑन लाइन से भी फर्क पड़ा है। अप्रैल के बाद 4 महीने यहां विवाह नहीं है स्थिति नादान है कहां भी नहीं जा सकता किया ना जाए ऊपर से यह कानून व्यापारियों का बीजेपी से नाराज की बढ़ रही है सरकार को कैसे कम चुनाव देखो रोकना चाहिए बनी हुई नुकसान होगा

आगामी सीजन में ग्राहकी अच्छी

रेवाडी/ जयप्रकाश शर्मा

बाजार में इस समय ग्राहकी अच्छी चल रही है। इमरान क्लॉथ सेंटर पर श्री इमरान भाई के यहां सूटिंग एवं शर्टिंग की ग्राहकी अच्छी चल रही है। पार्टी प्राइमरा सुल्ज, भीलवाड़ा का सूटिंग जैसे पालर्मस, ज्याफर, मिडियोकर, मेक्समारा, सिनामेटिग अन्य लाईक्रा सूटिंग अच्छा बेच रहे हैं। ईद के अवसर पर बुकिंग सूटिंग व शर्टिंग की अच्छी चल रही है। ब्रोडवे टेलर्स श्री आलम भाई के यहां पेंट-शर्ट एवं कुर्ता, पायजामा की ग्राहकी अच्छी चल रही है तथा सिलाई का काम अच्छा चल रहा है। सिलाई अभी पेंट-शर्ट की 900 से 1000 रू. तक की अच्छी बुकिंग चल रही है। यदुवंशी वस्त्रालय श्री नीलु यादव के यहां साड़ियों की ग्राहकी इस समय 250 रू. से 1000 रू. तक की साड़ियों की डिमाण्ड अच्छी चल रही है। इस समय रेडीमेड में भी डिमाण्ड अच्छी देखने को मिल रही है। स्र.र. बॉम्बे फैशन श्री आर के यादव जी के यहां होलसेल में ग्राहकी जैसे कॉटन एवं लाइक्रा की डिमाण्ड अच्छी हो रही है। प्राइमरा सूटिंग का कपड़ा मोनोपॉली से बेच रहे है तथा ईद पर बुकिंग अच्छी हो रही है। रिटेल व्यापारियों को एक से एक डिजाइन सप्लाई हो रही है। पैमेंट की आवक अच्छी चल रही है।

सभी बाजारों में जबरदस्त सन्नाटा

आकोला/ राजेश सोजतिया

मोदी सरकार द्वारा कपड़ों के व्यापारी पर को नया कानून लगाया गया है। उस कानून ने व्यापारियों की नींद उड़ा दी है। रोजाना जो गोली बीपी की लेने वाले व्यापारी को दोनों समय दोनों गोली बीपी की लेने की मजबूरी हो गई है। सरकार द्वारा लगाया गया एमएसएमई ने नागपुर अमरावती अकोला जलगांव सभी मंदिरों में व्यापारियों को काफी परेशानियों में डाल दिया है। पहले जीएसटी का काफी विरोध सूरत के व्यापारियों ने किया था मगर हाथ कुछ नहीं लगा था जैसे तैसे जीएसटी को अपने जीवन काल में सेट किया था। मगर फिर से लगा नया एमएसएमई व्यापारियों पर लाद दिया गया है। आज सभी मार्केट में एवं शांति का वातावरण बन गया है। व्यापारी देशपां में से खरीदारी करने में इंटरेस्ट नहीं है। इस वर्ष शादियां भी अप्रैल 24 एंड तक ही है इस कारण आगे व्यापार की लंबे समय तक चलने की उम्मीद बहुत कम है। पैसे की भी भयंकर तंगी नजर आ रही है। सरकार को जल्द ही इस और ध्यान देने की अति शीघ्रता दिखाना चाहिए कम से कम 12 महीने का समय तो देना चाहिए ताकि सभी व्यापारी अपने आप को इस नए हम एसएमई में अपने आप को डाल सके।

कपड़ा बाजार अच्छी ग्राहकी से गुलजार

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

आलोच्य अवधि में मुजफ्फरनगर कपड़ा मार्केट सहित आस पास की प्रायः सभी कपड़ा मार्केट में अच्छी खासी ग्राहकी की चहल पहल देखी गई एवं पेमेंट भी प्रचुर मात्रा में आवागमन हुआ। फरवरी माह से मार्च के दूसरे सप्ताह तक लग्न साया मुहूर्त अच्छे खासे होने से कपड़ा मार्केट्स के लेडीज़ सूट, साड़ी, पैंट शर्ट, हैंडलूम, रेडीमेड गारमेण्ट, फैंसी ड्रेस आदि प्रत्येक सेग्मेण्ट में अच्छी खासी बिक्री देखी गई। यद्यपि पेमेंट समय पर करने वाले व्यापारी खरीदारी मे अतिरिक्त सतर्कता के साथ खरीदारी करते देखे गए, कारण आयकर और एमएसएमई की नई धारा। मुजफ्फर नगर के प्रतिष्ठित सुप्रसिद्ध व्यापारियों सर्व श्री विनोद डाबर, किशन डाबर, संजीव गोयल, गुलाटी जी, राजेश ग्रोवर, अमित सिंघल, आशीष सिंघल, घनश्याम पालीवाल,, सुदर्शन खरबंदा, अमृत राठी, लक्ष्मण रस्तौगी, पवन बत्रा, के पी त्यागी के अनुसार काम काज अच्छे खासे चल रहे हैं, तथा आगे ग्रीष्म ऋतु की आहट मे कॉटन वस्त्रों की भरपूर डिमांड रहेगी। हैंड वर्क सूट निर्माताओं को आयकर की एम एस एम ई पार्टियों का पेमेंट 45 दिन की धारा के कारण व्यापार के तौर तरीके में आमूल चूल परिवर्तन आएगा।

मार्केट में रेडीमेड और फैंसी की अच्छी डिमाण्ड

ब्यावर/ अनिल डोसी

मार्केट में व्यापार अच्छा चल रहा है। फैंसी बेस, जरी बेस, साड़ियां, ड्रेस मटीरियल, फैंसी ब्लाउज, टेरी रूबिया, शर्टिंग प्रिंटेड व सुटिंग फैंसी चैक्स सेल्फ डिजाइन चल रही है। आगामी अप्रेल माह से रेडीमेड स्कूल ड्रेस की तैयारी में व्यापारीयों द्वारा अभी से पूछ-परख शुरू हो गई है। भिवंडी, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत, जोधपुर, भीलवाड़ा की क्वालिटियां रेग्युलर आ रही है। पैमेंट की आवक बनी हुई है।

SOUTH INDIA SALES CORPORATION का BAKU & GABALA ट्रिप रहा शानदार

बंगलुरू / दक्षिण भारत में Branded Mens wear fabric के होलसेल व्यवसाय में अग्रणी संस्थान South India Sales Corporation बंगलुरू द्वारा विगत दिनों अजरबेजान देश के खूबसूरत शहर Baku & Gabala का शानदार ट्रिप आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान के साथ कनेक्ट केरल, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के निर्धारित बिक्री लक्ष्य हासिल करने वाले Retail Partners ने भाग लिया। इस शानदार ट्रिप में शामिल सभी रिटेलर्स ने South India Sales Corporation के डायरेक्टर श्री गिरीश जैन के साथ में बहुत खुश और आनंदित महसूस किया तथा यादें संजोई। सभी Retail Partners Baku - Azerbaijan विदेश यात्रा के लिए श्री गिरीश जैन का आभार प्रकट किया तथा आगे हर ट्रिप में शामिल रहने का वादा किया। South India Sales Corporation की ओर से श्री गिरीश जैन ने भविष्य में ऐसी कई यात्राएं आयोजित करने का वादा किया गया।

Retail Partners ने खूब आनंद के साथ यादें संजोई

DISTRIBUTOR OF PREMIUM MENS WEAR FABRIC BRANDS

ARVIND, BARUCHE & D. BADAMI

South India Sales Corporation संस्थान मेंस फैशन क्षेत्र के प्रीमियम फैब्रिक ब्रांड्स Arvind , Baruche, एवं D. Badami के टॉप डिस्ट्रीब्यूटर है। दक्षिण भारत के होलसल कपड़ा व्यवसाय में यह विगत 30 Years से Top Retailers Premium Brands के कपड़े वाजिब दरों में उपलब्ध करा रहे हैं। अच्छी प्रॉडक्ट रेंज एवं बेहतर सेवाओं के प्रति समर्पित संस्थान के Director Mr. Girish Jain ने विरासत में मिले व्यवसाय को पूरी तन्मयता के साथ आगे बढ़ाते हुए व्यवसाय का दुत गति से विस्तार किया है। मधुर व्यवहार से मजबूत व्यापारिक संबध कायम कर इन्होंने अपने संस्थान South India Sales Corporation का नाम रोशन किया है। शुरू से ही ब्रांडेड मिलों के काम को प्राथमिकता देने वाले Mr. Girish Jain सदैव व्यापारियों को Value for money fabric supply policy पर कायम रहे, जिसके परिणामस्वरूप आज पूरे भारत में South India Sales Corporation नाम सम्मान के साथ लिया जाता है।

For Agent/Dealer/Franchise store enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747 | Write to: helloburgoyne@wfbindia.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS | Follow us on /@Burgoyneindia | /@Burgoyneindiaofficial | www.burgoyne.co
Burgoyne & **BAIRD Cotton** are registered trademarks of **WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.**

HOUSE OF BURGOYNE IRELAND ESTD. 1912

एपेरल इंडस्ट्री को निर्यात बढ़ाने के लिए सिंथेटिक कपड़ों पर फोकस करना चाहिए -जीटीआरआई

दिल्ली/ अरूण श्रीवास्तव

विकसित देश मिश्रित सिंथेटिक से बने कपड़े खरीद रहे हैं और भारतीय परिधान उद्योग इस मोर्चे पर कमजोर है, जिसके कारण वैश्विक निर्यात हिस्सेदारी में गिरावट आई है, GTRI की एक रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि कमजोर सिंथेटिक के कारण, भारत का परिधान उद्योग एक पैर से बंधे घोड़े की तरह दौड़ रहा है। 'परिणाम कम निर्यात, कम मजदूरी और क्षेत्र में कम निवेश हैं' यह कहते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंथेटिक ने कपास को पीछे छोड़ दिया है और फैशन उद्योग का पसंदीदा बन गया है। 'विकसित देशों द्वारा खरीदे गए 70 प्रतिशत कपड़े मिश्रित सिंथेटिक से बने होते हैं। भारतीय निर्यात में उनकी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से कम है और यही भारत के कमजोर परिधान निर्यात का मुख्य कारण है, रिपोर्ट में कहा गया है। इसमें कहा गया है कि आज, अधिकांश औपचारिक, खेल और फैशन परिधान सिंथेटिक कपड़ों का उपयोग करते हैं। वे टिकाऊ होते हैं, फीके नहीं पड़ते हैं और किसी भी रंग के अलावा ऊन, कपास या रबर के साथ आसानी से मिश्रित होकर प्रयोग की अनुमति देते हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर कपास वसंत और गर्मियों के बिक्री सीजन में हावी रहता है, जबकि सिंथेटिक और मिश्रित कपड़े शरद और सर्दियों के मौसम में हावी रहते हैं। भारतीय इकाइयां कपास के परिधान बनाने के लिए साल में छह महीने चलती हैं। शेष छह महीनों में, अधिकांश इकाइयां बंद हो जाती हैं या कम क्षमता पर चलती हैं क्योंकि उनके पास सिंथेटिक सर्दियों के पहनावे के लिए ऑर्डर नहीं होते हैं और अधिकांश श्रमिक घर चले जाते हैं। 'साथ ही, एक फैक्ट्री जो साल में केवल छह महीने चलती है, उसे फिर भी पूरे साल का फिक्स्ड कॉस्ट का किराया, न्यूनतम स्टाफ के लिए वेतन, ऋण पर ब्याज आदि का भुगतान करना पड़ता है। इससे फैक्ट्री में बनी कोई भी चीज महंगी हो जाती है। सिंथेटिक से दूरी श्रमिकों की मजदूरी को भी प्रभावित करती हैं' यह कहा गया। इसने यह भी कहा कि चूंकि भारत मुख्य रूप से एक अनौपचारिक कपास वाला निर्यातक देश है, इसलिए मजदूरी न्यूनतम स्तर पर ही रहती है। सिंथेटिक में प्रवेश करने से कारखाने पूरे साल चलेंगे और मजदूरी कई गुना बढ़ जाएगी।

सम्पादकीय....

सूर्य घर योजना से होगा घर-घर उजाला...

पिछले हफ्ते मंत्रिमंडल ने 75,021 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 'प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना' को मंजूरी दी। इस योजना में बिजली की पहुंच और देश की जलवायु परिवर्तन प्रतिबद्धता की पूरी गति को बदल देने की क्षमता है। इस योजना के तहत सरकार एक किलोवॉट प्रणाली के लिए लागत के 60 फीसदी तक और 2 से 3 किलोवॉट प्रणाली के लिए अतिरिक्त लागत के 40 फीसदी तक की केंद्रीय सहायता प्रदान करेगी, यह सहायता की ऊपरी सीमा होगी।

करीब एक करोड़ घरों को शामिल करने की संभावना वाली इस योजना के लाभार्थियों को हर महीने 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। सरकार का कहना है कि मौजूदा कीमतों के आधार पर देखें तो एक केवी प्रणाली के लिए 30,000 रुपये और तीन केवी प्रणाली के लिए 78,000 रुपये तक सब्सिडी बनती है।

एक कार्यान्वयन योजना से लैस, जिसमें एक तय राष्ट्रीय पोर्टल पर आवेदन करना और परियोजना को पूरा करने के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की आठ इकाइयों को नियुक्त करना शामिल है। नई सूर्य घर योजना पिछली योजनाओं के मुकाबले बेहतर लग रही है। अगर सरकार ने सक्रियता से इनका समाधान नहीं किया तो पिछली योजना में जो मसले सामने आए वे इस बार भी असर डाल सकते हैं। यह कार्यक्रम मांग आधारित है, इसके लिए एक सरकारी पोर्टल पर आवदेन की जरूरत होगी, ऐसे में सवाल यह है कि सरकार जिस तरह के परिवारों को लक्षित कर रही है-ग्रामीण और गरीब क्या वे आवेदन करेंगे?

कई अक्षय ऊर्जा कंपनियों ने यह बात उठाई है कि राज्य जिस तरह से अपनी जनता को मुफ्त बिजली मुहैया करा रहे हैं, उसकी वजह से लोग रूफटॉप सौर प्रणाली को अपनाने से हिचकते रहे हैं। जब तक राज्य अपने बिजली सब्सिडी व्यवस्था की गहन समीक्षा नहीं करते, एक ऐसा कदम जो राजनीतिक वजहों से लंबे समय से सुधार से दूर रहा है, हालात में बदलाव नहीं आने वाला। इसके अलावा सूर्य घर योजना के मुफ्त बिजली वाले हिस्से में यह माना गया है कि रूफटॉप सौर इकाइयां किसी ग्रिड से जुड़ी होंगी जो कि नेट मीटरिंग प्रणाली के जरिए घरों की अतिरिक्त बिजली खरीद लेगी। इसके कारगर होने के लिए दो मसलों का समाधान करने की जरूरत है। पहला यह है कि पहले से ही नकदी की तंगी से जूझ रही राज्यों की वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) सौर ऊर्जा को खरीदने के मामले में वित्तीय रूप से विवश ही रहेंगी। कई डिस्कॉम को नेट मीटरिंग प्रणाली से नुकसान होने की आशंका है, क्योंकि पहले से ही उन्हें परिचालन पर निश्चित लागत को वहन करना पड़ रहा है और वे दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) के तहत बिजली उत्पादकों को अनुबंधित शुल्क का भी भुगतान करती हैं।

कई को यह आशंका है कि उपभोक्त ।ओं को रूफटॉप सौर संयंत्रों से बिजली खरीद के लिए भुगतान करने से उनकी लागत बढ़ जाएगी खासकर इसलिए कि इस बिजली को दिन के उजाले में हासिल करना होगा, जब टैरिफ आमतौर पर ज्यादा होता है। इससे कीमत निर्धारण की दूसरी समस्या पैदा होगी, जो कि इस वजह से जटिल है कि सौर ऊर्जा का टैरिफ लगातार घट रहा है, यह भी एक वजह है कि जिससे डिस्कॉम सौर ऊर्जा उत्पादकों के साथ पीपीए पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहतीं। ये अड़चनें इस बात की व्याख्या कर सकतीं है कि आखिर क्यों रूफटॉप सौर कार्यक्रम ने, जो कि दिसंबर 2015 से ही चल रहा है, योजना को प्रोत्साहन देने के लिए कई बार बदलाव किए जाने के बावजूद खराब प्रदर्शन किया है।

दिसंबर 2023 तक देश में रूफटॉप सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता सिर्फ 11.08 गीगावॉट की थी, जबकि लक्ष्य 40 गीगावॉट का था। इस क्षमता का करीब 80 फीसदी हिस्सा वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्त ।ओं का था। अभी देश में बहुत कम करीब 6,00,000 घरों ने ही रूफटॉप सौर प्रणाली को अपनाया है। तो जब तक सरकार बिजली वितरण कंपनियों की आपूर्ति और कीमत निर्धारण जैसी संरचनात्मक समस्याओं का समाधान नहीं करती, तब तक एक करोड़ घरों तक इसे पहुंचाने का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा।

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

कुछ नया, कुछ अलग •

भीतर भरा खजाना...हमारी आंतरिक शक्ति

जीवन आश्चर्यों से भरा है, हम बहुत सारी महान योजनाओं के साथ शुरुआत करते हैं, लेकिन रास्ते में, आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जिससे आपको खुद पर और अपनी क्षमताओं पर संदेह होने लगेगा। इस कठिन समय के दौरान, यह भूलना आसान है कि आपके पास एक आंतरिक शक्ति है जो चुनौतियों पर काबू पाने की आपकी क्षमता पर विश्वास करने से आती है। बहुत से लोग अपना ध्यान खो देते हैं और संभवतः अपने सपनों को छोड़ देते हैं क्योंकि वे उस आंतरिक शक्ति का लाभ उठाने में असफल हो जाते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति के भीतर छिपी हुई प्रतिभा, क्षमता, दिव्य क्षमता और ताकत का भंडार मौजूद है, बस पहचाने जाने और महसूस किए जाने की प्रतीक्षा है। यह सिर्फ हममें से कुछ लोगों में ही नहीं है बाकि हर किसी में है।

हमारे दैनिक जीवन में, हम अपनी आंतरिक शक्ति और कौशल को नजरअंदाज करते है। हम अक्सर अपनी कमजोरियों और सीमाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, दूसरों से अपनी तुलना करते हैं और स्वयं को अपर्याप्त महसूस करते हैं। हालाँकि, अपनी आंतरिक शक्ति और कौशल को पहचानने और उसकी सराहना करने के लिए समय निकालना वास्तव में सशक्त बनाने वाला हो सकता है।

हममें से प्रत्येक के पास अद्वितीय शक्ति यां और क्षमताएं हैं जो हमारे पूरे जीवन में विकसित हुई हैं। ये कौशल प्राकृतिक प्रतिभाएं, सीखी हुई क्षमताएं या विशेषताएं हो सकती हैं जो विभिन्न अनुभवों और चुनौतियों के माध्यम से विकसित हुई हैं। इन शक्ति यों को स्वीकार करने और अपनाने से, हम अपने आप में आत्मविश्वास पैदा कर सकते हैं और उद्देश्य व दिशा की भावना के साथ जीवन को आगे बढ़ा सकते हैं।

अपनी आंतरिक शक्ति और कौशल को पहचानने में पहला कदम आत्म-जागरूकता का अभ्यास करना है। इसमें हमारी क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाले पैटर्न और विषयों की पहचान करने के लिए हमारे पिछले अनुभवों, सफलताओं और चुनौतियों पर विचार करना शामिल है। अपनी उपलब्धियों और बाधाओं को दूर करने के तरीकों का जायजा लेते हुए, हम उन कौशलों और गुणों को देखना शुरू कर सकते हैं जिन्होंने हमें सफल होने में मदद की है। इसके अतिरिक्त , उन लोगों से फीडबैक लेना भी मददगार हो सकता है जो हमें अच्छी तरह से जानते हैं। मित्र, परिवार के सदस्य और सहकर्मी हमारी शक्ति यों और क्षमताओं के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं जिन्हें हम स्वयं नहीं देख सकते हैं। उनके दृष्टिकोण को सुनकर और उनकी प्रतिक्रिया को हृदयंगम करके, हम अपनी क्षमताओं की अधिक समग्र समझ प्राप्त कर सकते हैं।

एक बार जब हमें अपनी ताकत और कौशल की स्पष्ट तस्वीर मिल जाती है, तो उन्हें आगे बढ़ाना और विकसित करना महत्वपूर्ण है। इसमें खुद को चुनौती देने और उन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसरों की तलाश करना शामिल हो सकता है जहां हम उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, साथ ही अभ्यास और सीखने के माध्यम से अपने कौशल को निखारना भी शामिल है। अपने स्वयं के विकास और संवृद्धि में निवेश करके, हम अपनी ताकत को बढ़ाना जारी रख सकते हैं और समय के साथ अपने कौशल का विस्तार कर सकते हैं।

संदेह या अनिश्चितता के क्षणों में, खुद को अपनी आंतरिक शक्ति और कौशल की याद दिलाना मददगार हो सकता है। पिछली सफलताओं पर विचार करके और अपनी क्षमताओं का उपयोग करके, हम चुनौतियों का डटकर सामना करने के लिए आवश्यक लचीलापन और आत्मविश्वास पा सकते हैं। सकारात्मक मानसिकता विकसित करना और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना बाधाओं पर काबू पाने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक शक्ति शाली उपकरण हो सकता है।

अंततः अपनी आंतरिक शक्ति और कौशल को पहचानना आत्म-खोज और आत्म-सशक्त िकरण की यात्रा है। हम कौन हैं और हमारे पास जो अद्वितीय क्षमताएं हैं, उन्हें स्वीकार करके हम अधिक प्रामाणिक और आत्मविश्वास से जी सकते हैं। इसलिए अपनी शक्ति यों को स्वीकार करने और उनका जश्न मनाने के लिए समय निकालें, क्योंकि यह वह नींव हैं जिस पर आप एक पूर्ण और सफल जीवन का निर्माण कर सकते हैं।

यदि हम इतिहास के कुछ चरित्र उठाकर देखे तो हम पाएगे कि महान लोगों में एक गुण समान ही पाया जाता हैं. उदाहरण के लिए भगवान राम, गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी में एक समानता उनके अपने उद्देश्य को पूरा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति थी। भगवान राम जब वनवास में थे तब सीता का हरण रावण कर लेता है, उस समय उनके पास साथी के रुप में अकेला भाई लक्ष्मण और साधन केवल एक धनुष ही था।

मगर अपने दृढ़ संकल्प के चलते वे सुग्रीव से सहयोग जुटाने में सफल होते है तथा उस दौर के सर्वाधिक शक्ति शाली शासक रावण को भी पराजित करने में सफल हो जाते हैं। संक्षेप में कहे तो कार्य की सिद्धि के समस्त साधन मिल ही जाते हैं अगर हम अपनी आंतरिक शक्ति को परख लें। चींटियां नहीं जानती अपनी आंतरिक शक्ति फिर भी यह उनकी आंतरिक शक्ति ही है जो उसको अपने से ज्यादा बोझ उठाने में सक्षम बनाती हैं।

प्रायः हम दूसरों की राग के शोर को अपनी अंतरात्मा की आवाज को खामोश कर देते है। चलिए, हम कोशिश करे भीतर के राग को सुनने और समझने की। अंत में मैं अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला के इस विधान को याद करूँ...

"आपकी वास्तविक उम्र जो भी हो, आपके अंदर कुछ ऐसा है जो कभी बूढ़ा नहीं होगा।"

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

गोरखपुर औद्योगिक जोन में उद्यमियों का बड़ा निवेश

गोरखपुर/ 19 फरवरी को लखनऊ में उत्तरप्रदेश ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के कार्यक्रम के साथ ही गोरखपुर में भी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि विधायक श्री विपिन सिंह के साथ मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए लघु उद्योग भारती के मण्डल अध्यक्ष श्री दीपक कारीवाल ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पूज्य महाराज जी के कुशल नेतृत्व में 2017 के बाद से उत्तरप्रदेश में औद्योगिक विकास जिस तीव्र गति से हो रहा है वैसा पहले कभी नहीं हुआ। गोरखपुर के औद्योगिक क्षेत्र गीडा का भी विस्तार भीटी रावत से लेकर धुरियापार तक हो रहा है। नये-नये उद्योग लग रहें हैं जिससे गोरखपुर में रोजगार के अवसर पैदा हो रहें हैं। जिसके कारण इस क्षेत्र के कामगारो का पलायन रुका है। मेरे पास अक्सर सूरत, अहमदाबाद, भिवंडी से लोग आते है और कहते है कि यहीं काम मिल जाये तो हम वापस नहीं जाएंगे, इससे यह सिद्ध होता है कि अब इस क्षेत्र में कामगारों की कमी नहीं रहेगी।

साथ ही यह भी बताया कि लघु उद्योग भारती के सदस्यों ने पिछले साल इन्वेस्टर समिट के पहले गीडा में हुए एक कार्यक्रम में कुल 1033 करोड़ के 22 एमओयू साइन किए थे।

आपको यह बताते हुए बड़ी खुशी हो रही है कि उनमें से लगभग 610 करोड़ के 12 निवेश प्रस्तावों पर कार्य शुरू हो गया है। इनमें से कई निवेश धरातल पर भी आ चुके हैं। इन सभी प्रस्तावों से लगभग 2200 नये रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

इन निवेश प्रस्तावों में टेक्सटाइल में श्री सौरभ जालान ने 10 करोड़, श्री संत कुमार भीमसरिया ने 10 करोड़, श्री अशोक शाव ने प्लास्टिक बोरे में 15 करोड़, श्री सुधांशु टिबरेवाल ने पेपर डिस्पोजल में 10 करोड़, श्री अरुण खट्टर ने बेकरी प्रॉडक्ट्स में 15 करोड़, श्री मोहित सराफ ने पैकेजिंग ड्रिंकिंग वाटर में 25 करोड़, श्री विनय अग्रवाल ने रीसायकल टेक्नोलॉजी में 230 करोड़, प्लास्टिक पैकेजिंग में 55 करोड़ एवं वेयरहाउस में 15 करोड़ का नया निवेश किया है।

इसके अलावा श्री विनोद अग्रवाल का प्लाई मैन्युफेक्चरिंग में 25 करोड़, श्री अमित बथवाल का पैकेजिंग प्रॉडक्ट में 100 करोड़ एवं फूड डिवीजन में 125 करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर कार्य शुरू हो गया है।लखनऊ में हुए कार्यक्रम जिसके मुख्य अतिथि माननीय प्रधानमंत्री जी थे उसका सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

बारिश के साथ ओलावृष्टि से फसल चौपट

सतना/ बलराम शुक्ला

पिछ्ले सप्ताह से बाजार में लग्न के कारण चहल-पहल दिखाई दे रही तथा पूरे बाजार में अच्छी ग्राहकी चल रही थी। अचानक मानसून ने मार्केट का हालत खराब कर दिया व बारिश होने से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ सिर्फ तिलहन और दलहन फसलों का नुकसान हुआ लेकिन ओलावृष्टि के कारण गेहूँ की भी फसल खराब हो गई किसान मायूस हो गया। उसकी सालभर की फसल बर्बाद हो गई और उम्मीदों पर पानी फिर गया। किसान के दुःखी होने से पूरे बाजार में फर्क पड़ने वाला है।

आगामी फसल खराब होने से बाजार में पैसों की मारा मारी हो जायेगी क्योंकि बारह मार्च के बाद विवाह की सिर्फ अप्रेल में पांच लग्न है ऐसे में व्यापारी रिस्क नहीं लेना चाहता है आने वाला समय कष्टकारी रहेगा ऐसा ही समझ में आ रहा है। मई-जून पूरा खाली है इसलिए होलसेलर व्यापारी माल नही लेना चाह रहे हैं। हैण्डलूम का माल जैसे गमछा टावेल जरूर बिक रहा है। एक तो एमएसएमई ने परेशान कर रखा है इस समय तो बाजार में एक नया फंडा चल रहा है सूरत और दूसरी मंडियों के व्यापारी फोन करते हैं मेरी फर्म में एम एस एम ई में है पेमेंट का ध्यान रखिए व्यापारी सीधा बोलता है मैं माल रिटर्न कर रहा हूं मेरे पास पैसा नहीं है ऐसा उत्तर मिल रहा है कुल मिलाकर अच्छी स्थिति नहीं है।

फैशन रिटेल सेक्टर पर खाद्य मुद्रास्फीति का कहर : बिक्री घटने से बढ़ी छूट

दिल्ली/ अरूण श्रीवास्तव... भारत का फैशन रिटेल सेक्टर खाद्य पदार्थों की बढ़ती महंगाई की दह झेल रहा है। बिजनेस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुकानों में आने वाले लोगों की संख्या और बिक्री में गिरावट आई है, साथ ही ब्रांड लंबे समय तक अधिक छूट दे रहे हैं। जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति 11.5 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो तीन साल का उच्चतम स्तर है। यह अनियमित मानसून वर्षा के कारण हुआ, जिसने फसलों को नुकसान पहुंचाया और आपूर्ति श्रृंखला को बाधित किया। फैशन पर खर्च में कमी से उपभोक्त ा खर्च की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं, जो खाद्य कीमतों में वृद्धि से पहले ही धीमा हो गया था। हालांकि, सिनेमा हॉल में खर्च और लग्जरी एसयूवी की बिक्री मजबूत बनी हुई है। इस साल, टमाटर की खुदरा कीमत जून के बाद से 200 प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई है, जबकि प्याज की कीमतों, जो भारतीय खाना पकाने में भी एक मुख्य चीज है, कुछ क्षेत्रों में 80 प्रतिशत तक बढ़ गई है, जैसे कि नई दिल्ली में। जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति 11.5 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो जून में 4.6 प्रतिशत से काफी अधिक है और यह तीन साल का उच्चतम स्तर है। जैसे-जैसे लोगों के पास खर्च करने के लिए कम पैसा बच रहा है, भारत के कपड़े और जूते के खुदरा क्षेत्र को भी इसका दंश झेलना पड़ रहा है - जिसका मूल्य 2022 में लगभग 62 बिलियन बताया गया था (यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के अनुसार)। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के एक मॉल में जिंक लंदन के आउटलेट में, घरेलू महिलाओं के कपड़ों की श्रृंखला के कर्मचारी बिक्री बढ़ाने के प्रयास में प्रतिदिन 10 ग्राहकों को फोन कर रहे हैं और व्हाट्सएप के माध्यम से उत्पादों की तस्वीरें भेज रहे हैं। भारत के चार शहरों में कई अन्य फैशन आउटलेट भी इसी तरह की निराशाजनक तस्वीर पेश करते हैं। जापान की असिक्स और स्केचर्स यूएसए जैसे जूता खुदरा विक्रेता भारी छूट दे रहे हैं, जिनमें से कुछ 70 प्रतिशत तक की छूट है, जो सामान्य से कहीं अधिक है, और उन्होंने अपनी बिक्री अवधि को भी बढ़ा दिया है। फैशन पर खर्च में कमी के साथ-साथ डोमिनोज जैसी रेस्तरा श्रृंखलाओं में खर्च में भी गिरावट आई है। 'भारत के विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा निजी खपत से आएगा, जो जीडीपी का लगभग 60 प्रतिशत है, जो पहले से ही कमजोर है' डॉयचे बैंक के अर्थशास्त्री श्री कौशिक दास ने इस महीने एक रिपोर्ट में लिखा। बैंक ने अनुमान लगाया है कि इस वित्तीय वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की धीमी गति से बढ़ेगी, जबकि पिछले वर्ष यह 7.2 प्रतिशत थी। कुछ उत्साहजनक संकेतों में, टमाटर की कीमतों में कमी आई है और भारत के केंद्रीय बैंक के प्रमुख ने पिछले सप्ताह कहा था कि सब्जियों की कीमतें, जो कम होनी शुरू हो गई हैं, सितंबर से कम हो जाएंगी। खुदरा दुकानें और उद्योग के अधिकारी भी उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाला त्योहारी सीजन - जिसमें नवंबर में दिवाली भी शामिल है, जब लोग उपहार देने और अपने लिए बड़ी खरीदारी करना पसंद करते हैं - कुछ बिक्री राहत लाएगा।

स्थानीय उत्पादों का वर्चस्व रहा कायम

बालोतरा/ एलसी पुनीत

एक लंबे अंतराल के बाद राजस्थानी रंगाई-छपाई उद्योग में स्थिर गति को प्राप्त करने में सफलता प्राप्ति की है। जनप्रतिनिधि एवं अन्य औद्योगिकी एवं संगठन विशेष प्रयासों में लगकर विद्यमान औद्योगिकी समस्याओं के निराकरण में जुटे हैं उससे अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि सरकार भी उद्योगों के विकास हेतु आगे आ रही है जिससे भविष्य में यहां का वस्त्र उद्योग देश में आदर्श रूप से उपस्थित होगा। स्थानीय उत्पादों में पोपलीन, पेटिकोट, नाइटी, शूटिंग क्लॉथ, शर्टिंग रेयॉन (प्लेन एंड प्रिंट) लिजी बीजी, ब्लाउज पीस, लूंगी, पॉकेटिंग क्लॉथ, टेंट क्लॉथ आदि का वर्चस्व निरंतर बढ़ रहा है और देश का कोई भाग इन उत्पादों की महक से अछूता नहीं है। जिन प्रतिष्ठानों की गुणवत्ता और फिनिश उच्च स्तरीय है वे उनके पास वर्ष पर्यंत माल की मांग चरम पर रहती है। ऐसी यूनिटों का कहना है कि हमारे कभी भावों की झिक-झिक नहीं रहती। कुछ का तो कहना है कि वर्षों के लगातार व्यापार व व्यवहार के कारण ऑफर में व्यापारियों को आरआरडी (रेट रूलिंग एट द टाइम ऑफ डिस्पेच) लिखकर भेजते हैं। क्वालिटी और आकर्षक पैकिंग की दृष्टि से यहां के उद्यमियों ने महारत हासिल की है। वह वास्तव में सराहनीय और प्रेरक है। अन्य मंडियें एवं उत्पादन गृहों के सदस्य भी यहां की कार्यप्रणाली व व्यवस्था के साथ व्यवहार प्रणाली को अध्ययन के लिए यदा-कदा यहां आते रहते हैं।

नामचीन प्रतिष्ठानों का दबदबा- सेन्चुरी, शैल्जा, पद्मश्री, रोहित मातुंगी, पालरेचा, मांगलिक, वर्धमान, जेपी मिल्स, मातुंगी विमल एक्सपोर्ट, जय माता दी, मोहित प्रिण्ट, ओम महाजन, महेश टेक्सटाइल, यूनिवर्सल, श्री माजीसा टेक्सोफिन, नरेन्द्रा मिल्स, न्यू अम्बिका, ओमप्रकाश रमेश कुमार, नाकोड़ा, विजयदीप, लालण कॉटन, विजय शांति, नवकार, राहुल, हेम इण्डिया, सेन्टोजन, एमआर टेक्सोफिन, लक्ष्मी विष्णु एजेंसी, बूवना डाइंग, सुदर्शन, माइक्रो, ज्योति टेक्स, सुनील, परफेक्ट फैब्रिक्स, महादेव, सुराणा, मदीना इण्डस्ट्रीज, जय राजेन्द्र गुरू, कावेरी, कोठारी इण्डस्ट्रीज, युवा इण्डिया, मेट्रो टेक्सो प्रिंट, महारजन, हिन्दुजी केसरी, केके मिल्स, नवज्योति, उम्मेद कॉटन, महाअम्बे, सूर्योदया, महालक्ष्मी कॉटन, पद्मावती, रिषभ टेक्स, डाई केम कॉर्पोरेशन, विमल अशोक, वी.आई, माजीसा प्रोसेस, राजेश टेक्सटाइल, सेन्चुरियन, बी.डी. माँ आशापुरा, महाधन लक्ष्मी, गार्डन टेक्सटाइल, अनमोल, मंगलम्, विमल एडवान्स, रोहिणी एक्सपोर्ट, मुरली मनोहर, विमलनाथ, जे लक्ष्मी ग्रुप, विमल श्री, मरूधर टेक्स, बालाजी टेक्सोफिन, पार्श्वनाथ कॉटन आदि का वर्चस्व अपने उत्पादनों के कारण है। इनका माल होट केक की तरह बिकता है। इन यूनिटों की विशेषता है कि इनका आत्मीय सम्बंध वर्षों से परिवार सदृश है। अपने उत्पादनों को अधिक से अधिक आकर्षक और गुणवत्तायुक्त बनाने के लिये ये इकाइयाँ रिसर्च एण्ड डवलपमेंट के खर्चे वर्ष पर्यंत वहन करते हैं। इनका मुख्य ध्येय रहता है कि अपना उत्पादन सस्ते से सस्ता मुहैया करावे। लागत कम से कम आवे और क्वालिटी बेहतरीन हो। ।इसी बुनियाद पर क्षेत्र में बहुमुखा खुशहाली का माहौल पनप रहा है।

बाजार में में एक बार फिर से तेजी का वातावरण बनता जा रहा है। लम्बे समय से ग्रे क्लॉथ का मार्केट मायुसी में था किन्तु अचनाक यार्न में बढ़त में अंदेशी से बाजार में बढ़त का शोर हो गया है। तेजी का जब भी हो हल्ला होता है तो उद्योग में स्वतः ही जान आ जाती है। वैसे यहाँ की हवा और पाननी में जादुई शक्ति निहित है और इसी के बदौलत स्थानीय कमी बहुत ही छोटी स्थिति के अद्योग आज भीमकाय रूप में परिवर्तित हो गये हैं। वर्तमान स्थिति में उद्यमी अपने प्रतिष्ठानों के विकास और विस्तार में विशेष तवज्जा दे रहे हैं। रिफायनरी से सम्बद्ध लगने वाले उद्योगों में स्थानीय उद्यमियों को मौका दिया गया तो यह क्षेत्र कितना विकास करेगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। सरकार का रूख विशेष रूप से यहाँ के उद्यमियों के प्रति लुभावना रहा तो क्षेत्र के कई उद्यमी नवीनतम उद्योगों से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर नाम रोशन करने में पीछे नहीं रहेंगे। ओद्योगिक संस्थानों के साथ स्थानीय जन प्रतिनिधि विकास की जिस सौंधी महक के कायल है उससे लगता है बालोतररा जिला एक नये आदर्श को प्रति स्थापित करने में सफल होगा।

भूल ना जाना ०४१

RISHAB WORLD

कन्हैयालाल एम. मुंशी

(१८८७ - १९७१)

प्रमुख शिक्षाविद् **के. एम. मुंशी** ने सन् 1938 में **भारतीय विद्या भवन** की स्थापना देश की स्वतंत्रता से पूर्व कर दी थी।

इसकी स्थापना का उद्देश्य **स्वतंत्र भारत को विद्वान व्यक्ति** प्रदान करना था, जो देश सदियों तक गुलाम रहा ।

व्यवसाय से **वकील** ओर पसंद से **लेखक श्री मुंशी महात्मा गांधी** से बहुत प्रभावित थे और **सादर अवज्ञा आंदोलन** के भागीदार रहे, जिसके लिये उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा।

स्वतंत्रता पूर्व सन् **1937** में **बम्बई प्रेसीडेंसी इलेक्शन** में वे **गृहमंत्री** बने। इस अवधि उन्होंने साम्प्रदायिक दंगों का शमन किया।

स्वतंत्रता के बाद उन्होंने राष्ट्र निर्माण में निम्न प्रकार महती भूमिका निभाई
-फ्लेग सलेक्शन कमेटी के सदस्य के रूप में
-हैदराबाद रियासत के सन् 1948 में भारत में विलीनीकरण से पूर्व
-हैदराबाद के एजेण्ट जनरल के रूप में कार्य किया ।
-संविधान निर्मात्री समिति के सदस्य के रूप में

मुंशीजी ने **वृक्षारोपण योजना** को **वन महोत्सव** का स्वरूप स्वतंत्र भारत के प्रथम कृषि मंत्री रहते हुए प्रदान किया, जो आज तक निरन्तर चालू है ।

अन्तिम सेवा उन्होंने सन् 1952 से 1957 तक **उत्तरप्रदेश के राज्यपाल** के रूप में प्रदान की।

उनके सम्मान में भारतीय डाक विभाग द्वारा सन् 1988 में 60 पैसे का डाक टिकट जारी किया गया।

HI-FABRIQUE ® H-F BANGALORE
HI FABRIQUE INC.®
Corporate Office :
77, Jodh Towers, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027
INDIA. Tel. No : +91 80 40500200
Email : info@hifabrique.com
Mumbai Office :
30/32, Champa Galli Cross Lane, 1st Floor, No.5
Off Kalbadevi Rd,Mumbai - 400002, INDIA.
+91 22 22426585 Email : infomumbai@hifabrique.com
www.hifabrique.com
Venerdi® ITALY

CADINI
ITALY
THE POWER OF PRESENCE
SCAN THE QR CODE
TO VIEW THE VIDEO
www.cadini.com
Available at all leading retail outlets across the country. For trade/ corporate enquiries, contact: 022-68330500.

कॉटन यार्न के भाव कम बढ़े

रूई की लंबी छलांग से मिलें चिंतित

मुंबई / रमाशंकर पाण्डे

टेक्सटाइल उत्पादों सहित यार्न की निर्यात मांग बढ़ने के अनुमान के बीच स्थानीय स्तर पर कॉटन यार्न सहित अन्य सिंथेटिक यार्न की मांग में अभी कोई बड़ी तेजी नहीं है। यार्न में कारोबार ठीक हो रहा है। वीवर्स की लेवाली सीमित मात्रा में है, कारण कि लूमों पर कपड़ों का उत्पादन घटाया गया है। लेकिन जैसे ही कॉटन ग्रे कपड़ों का उठाव बढ़ना शुरू होता है, वैसे ही यार्न बाजार में तेजी की उम्मीद है। पॉलिएस्टर यार्न में भाव बढ़ने की संभावना भी धुंधली है लेकिन जिस गति से रूई के भाव बढ़ने लगे हैं, इससे टेक्सटाइल मिलें चिंतित है। अभी तक रूई का भाव उचित स्तर पर बना रहने से स्पिनिंग मिलों की रूई में लेवाली अच्छी थी और स्पिनिंग मिलों में यार्न का उत्पादन हो रहा है।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया - स्पिनिंग मिलों में यार्न का उत्पादन बढ़ने से रूई की मांग बढ़ी थी। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रमुख का कहना है कि उत्तर और मध्य भारत की स्पिनिंग मिलों में कामकाज 100 प्रतिशत की क्षमता से हो रहा है, जबकि साउथ की स्पिनिंग मिलों में यार्न 75 प्रतिशत की क्षमता से बनाया जा रहा है। इस वर्ष भारत की स्पिनिंग मिलों की कुल औसत रनिंग क्षमता 90 प्रतिशत रही है। इस तरह से देश में कॉटन यार्न का उत्पादन और उसकी बिक्री में अभी तक ऐसा कोई अवरोध अथवा अड़चन नहीं रही है, जिससे स्पिनिंग मिलों को परेशानी हो, लेकिन इधर कुछ दिनों से रूई के भाव बड़ी तेजी से बढे हैं और टेक्सटाइल क्षेत्र तथा निर्यात मांग कमजोर होने का असर यार्न पर हो सकता है। कहा जाए तो कॉटन यार्न के भाव में सुधार छोटे स्तर पर होता रहा है, जबकि रूई के भाव तेजी से छलांग लगा रहे हैं। इससे स्पिनिंग मिलों के सामने जटिल समस्या खड़ी हो रही है। यद्यपि स्पिनिंग इकाइयों में कॉटन यार्न बनाने की व्यूहनीतिक क्षमता संतुलित और एक निश्चित दायरे की होने से मिलें थोड़े बहुत उतार-चढ़ाव को झेलते हुए यार्न उत्पादन जारी रखा हुआ है। स्पिनिंग इकाइयों के लिए चुनौती है कि मिलें रूई की उतनी ही खरीदी कर रही है, जिससे उनका उत्पादन जारी रहे और खर्च बढ़ने से रोका जाए। अब तो लंबे रेशे की रूई का शुल्क मुक्त आयात की छूट मिलने से स्पिनिंग मिलों को इससे सुविधा होगी।

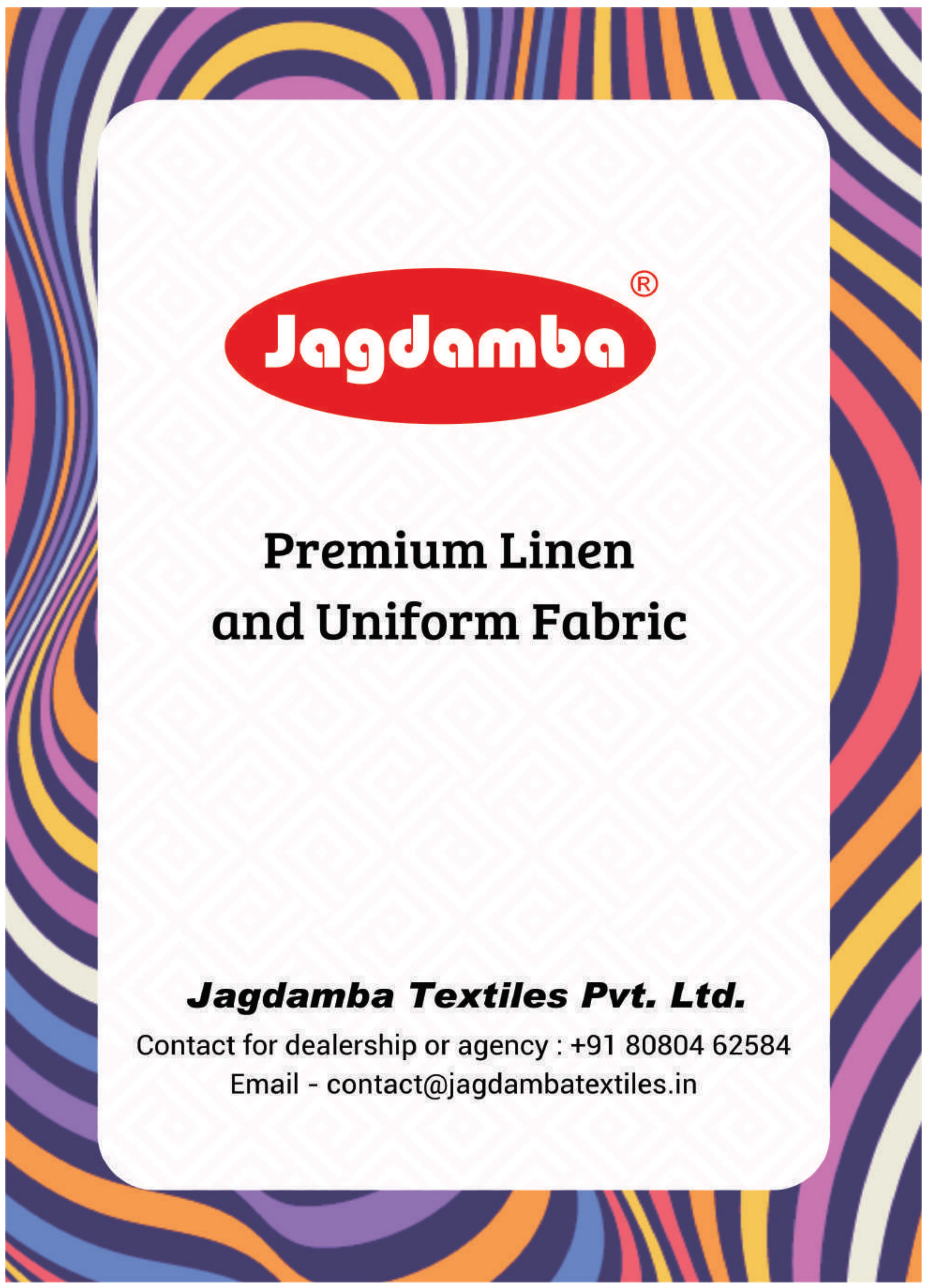

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36-ए, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**

7 से 21 मार्च 2024
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड Corporate

समर सीजन की चौतरफा व्यापक तैयारी लेकिन कारोबारी गतिविधियाँ धीमी

अप्रैल से कपड़ों की मांग में आएगी तेजी

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डे... कपड़ा बाजार में कारोबारी गतिविधियां ढ़ीली है। कारोबार को लेकर व्यापारियों में भारी उलझन है। देशावरी बाजारों के व्यापारी नये ऑर्डर देना टाल रहे हैं। कपड़ों का उत्पादन सभी स्तर पर घट रहा है। निर्यात में कारोबार अनुकूल नहीं है। इन सभी के बीच कारोबारियों को समर सीजन, यूनिफॉर्म में कारोबार और मार्च से शुरू हो रहे रमजान में कपडों में ग्राहकी चलने की उम्मीद है। समर के माल में कारोबार अच्छा हो सकता है। यद्यपि एमएसएमई को निर्धारित 45 दिनों में भुगतान करने के मौजूदा नियमों में किसी प्रकार की ढ़ील देने की कोई संभावना नहीं लग रही है, ऐसा मानकार व्यापारी अब ग्रे कपड़ों में कारोबार करना चाहते हैं। कपड़ा बाजार में पिछले एक महीने से कारोबार ठप्प है। फिर भी एमएसएमई को भुगतान करने के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। यहीं कारण है कि हर जगह कारोबार को लेकर दुविधा बनी हुई है। जबकि सीजन अच्छे कारोबार का होने से कारोबारी गतिविधियों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। कुछ उत्पादन केंद्रों पर माल रिटर्न भी हो रहे हैं, तो कहीं पुराने ऑर्डर कैंसिल हो रहे हैं, तो कुछ उत्पादन केंद्रों पर समय पर भुगतान करने की योजना के साथ कपड़ों में कारोबार करना शुरू कर दिया है। देसावरों के व्यापारी चालान पर माल भेजने और बिल बाद में बनाने को कह रहे हैं। फैसी शर्टिंग में थोड़ा बहुत कामकाज हो रहा है। समर सीजन की शुरूआत हो चुकी है। इसमें सबसे अधिक बिकते कैम्ब्रिक, मलमल, लोन, रेयॉन, लाइट कॉटन, साटीन और लाइट पोपलीन का भरपूर स्टॉक व्यापारियों ने कर लिया है। रमजान के लिए सफेद कपड़ा, कुर्ता एवं शेरवानी के कपड़ों के साथ डिजिटल प्रिंटेड कपड़ों में कारोबार अच्छा होने की संभावना की जा रही है। स्कूल यूनिफ र्म में मिलों की व्यापक तैयारी है। फरवरी से लेकर अप्रेल तक स्कूल यूनिफॉर्म में ग्राहकी अच्छी चलती है, इसलिए मिलों ने बड़े पैमाने पर उत्पादन कर माल व्यापारियों के सिर पर मढ़ दिया है। अब स्कूल यूनिफॉर्म कपड़ों के भाव घट गए है। माना जा रहा है कि अप्रेल से कपड़ों में कारोबार अच्छे ढंग से होने लगेगा।

गारमेंट एवं यूनिफॉर्म सेक्टर

गारमेंट और कपड़ों की बिक्री बढ़ने के बदले घट रही है। कपड़ों में कारोबार घटकर आधा हो गया है। इकाइयों में माल का ढ़ेर लग रहा है। कारोबारियों को नये ऑर्डर कम मिल रहे हैं। बाजार में कारोबार को लेकर दुविधाएं बढ़ी है। निर्यात में कारोबार पहले से ही मंदा था, अब स्थानीय स्तर पर कारोबार घटने से निराशा फैली है। जानकारों का कहना है कि फि निश कपड़ों एवं गारमेंट की मांग कमजोर है। अप्रेल माह तक शादियों के मुहूर्त अधिक होने से बड़े पैमाने पर कपड़ों के साथ गारमेंट में कारोबार होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है। इसलिए बाजार से उलझनें दूरी होगी तभी कारोबार संभव होगा। भिवंडी में लूमों पर उत्पादन घट रहा है। मिलों एवं पावरलूम इकाइयों से माल का उठाव ठंडा है। ग्रे कपड़ों का उत्पादन घटने से वीवर्स ने कॉटन यार्न की खरीदी करना रोक दिया है। मजदूरी में भी कटौती कर दी गई है। सबसे अधिक खराब स्थिति जॉबवर्क करने वाली इकाइयों की है। इस तरह की करीब 70 प्रतिशत इकाइयों में कपड़ों का उत्पादन रूक गया है। प्रोसेस इकाइयों ने ग्रे कपड़ों को लेना कम कर दिया है। दूसरी ओर भारत के कॉटन प्रिंट को विदेशों से आयात किए जा रहे डिजिटल प्रिंट की तगड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। डिजिटल प्रिंट में कारोबार अच्छा होने से ऐसे देश कम भाव पर डिजिटल प्रिंट ऑफर करने को तैयार है।

उत्पादन

स्थानीय एवं विदेशी बाजार में उत्पादन खर्च प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए गारमेंट सहित कुछ अन्य उत्पादों के कच्चे माल पर लगते कस्टम शुल्क की समीक्षा की जा सकती है। इसका मकसद भारत से निर्यात को प्रोत्साहित करना और बड़े स्तर पर उत्पादन गतिविधियों को सुगम बनाना है। सरकार की योजना भारत को उत्पादन हब के बतौर विकसित करने की है। टेक्सटाइल को सबसे अधिक रोजगार सृजन का क्षेत्र माना जाता है। भारत की ठोस अर्थव्यवस्था और समय पर गुणवत्तापरक उत्पादों की डिलिवरी देने की मिलों एवं निर्यात गृहों की इच्छा शक्ति को देखते हुए विदेशों के कई इंटरनेशनल ब्रांड अपने उत्पादन आधार भारत लाना चाहते हैं।

भारत टेक्स 2024

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम् में 26 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'भारत टेक्स 2024' नामक टेक्सटाइल फेयर का उद्घाटन किया। यह फेयर 26 -29 फरवरी, 2024 तक चला और इसका आयोजन 11 टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल और केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्रालय द्वारा किया गया था। इसमें 65 नॉलेज सत्र और 100 से अधिक वैश्विक पेनलिस्ट रहें। इस इवेंट में फर्म टू फैशन अभिगम को शामिल किया गया था। जिसमें फ इबर, कपड़ा, फैशन फोकस सहित पूरी टेक्सटाइल वैल्यू चैन को शामिल किया गया था। इस वैश्विक फेयर में 3500 प्रदर्शनकार शामिल हुए थे और 100 से अधिक देशों से हजारों ग्राहकों के शामिल होने की खबर है।

भारत टेक्स 2024 में भारतीय टेक्सटाइल वैल्यू चेन का अद्भुत एवं भव्य प्रदर्शन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया उद्घाटन

यह कपड़ा उद्योग में भारत की असाधारण क्षमताओं को उजागर करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच -मोदी

'कस्तूरी कॉटन' वैश्विक स्तर पर भारत की ब्राण्ड वैल्यू बनाने में एक बड़ा कदम

नई दिल्ली/ 26 से 29 फरवरी, 2024 को देश की राजधानी स्थित भारत मण्डपम्-प्रगति मैदान एवं यशौभूमि एग्जीबिशन सेण्टर में विश्व की सबसे बड़ी टेक्सटाइल एग्जीबिशन भारत टेक्स 2024 का भव्य आयोजन किया गया। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल्स द्वारा भारत सरकार के टेक्सटाइल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस एग्जीबिशन का उद्घाटन भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं टेक्सटाइल राज्य मंत्री श्रीमति दर्शना जरदोश ने किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 'भारत टेक्स 2024' में सभी का स्वागत किया और कहा कि आज का अवसर विशेष है, क्योंकि यह कार्यक्रम भारत के दो सबसे बड़े प्रदर्शनी केंद्रों 'भारत मंडपम' और 'यशोभूमि' में हो रहा है। उन्होंने लगभग 100 देशों के 3000 से अधिक प्रदर्शकों और व्यापारियों तथा लगभग 40,000 आगंतुकों के समागम को सराहते हुए कहा कि भारत टेक्स इन सभी को एक मंच प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम कई आयामों को अंगीकार करता है, क्योंकि 'भारत टेक्स का यह सूत्र भारतीय परंपरा के गौरवशाली इतिहास को आज की प्रतिभा से, परंपराओं के साथ प्रौद्योगिकी को जोड़ता ह और यह स्टाइल, निरंतरता, दायरे और कौशल को एक साथ लाने का सूत्र है।' उन्होंने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के एक महान उदाहरण के रूप में भी इस आयोजन का जिक्र किया, जिसमें पूरे भारत की असंख्य वस्त्र परंपराओं को शामिल किया गया है। उन्होंने भारत की वस्त्र परंपरा की गहराई, जिजीविषा और क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी की भी सराहना की।

वस्त्र मूल्य शृंखला से संबंधित विभिन्न हितधारकों की उपस्थिति को मद्देनजर रखते हुए, प्रधानमंत्री ने भारत के कपड़ा क्षेत्र को समझने के साथ-साथ चुनौतियों और आकांक्षाओं के बारे में जागरूक होने के प्रति उनकी सूझ-बूझ का हवाला दिया। उन्होंने बुनकरों की उपस्थिति और जमीनी स्तर पर उनके पीढ़ीगत अनुभव पर भी ध्यान दिलाया, जो मूल्य शृंखला के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। अपने संबोधन में उनकी चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने विकसित भारत और उसके चार मुख्य स्तंभों के संकल्प पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का कपड़ा क्षेत्र गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं सभी से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसीलिए 'भारत टेक्स 2024' जैसे आयोजन का महत्त्व और बढ़ जाता है। कपास, जूट और रेशम उत्पादक के रूप में भारत के बढ़ते कदमों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सरकार कपास किसानों का समर्थन कर रही है और उनसे कपास खरीद रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लॉन्च किया गया 'कस्तूरी कॉटन' वैश्विक स्तर पर भारत की ब्राण्ड वैल्यू बनाने में एक बड़ा कदम होगा। प्रधानमंत्री ने जूट और रेशम क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए भी विभिन्न उपायों का उल्लेख किया। उन्होंने तकनीकी वस्त्र जैसे नए क्षेत्रों की भी चर्चा की और राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन और इस क्षेत्र में स्टार्टअप की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी।

पीएम मित्र पार्क बनेंगे विकास के द्योतक

प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों में सात पीएम मित्र पार्क बनाने की सरकार की व्यापक योजनाओं पर प्रकाश डाला और पूरे कपड़ा क्षेत्र के लिए अवसर पैदा करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'पीएम-मित्र पार्कों में, सरकार संपूर्ण मूल्य शृंखला इको-सिस्टम को एक ही स्थान पर स्थापित करने का प्रयास करती है, जहां प्लग एंड प्ले सुविधाओं के साथ आधुनिक अवसंरचना उपलब्ध कराई जाती है।' उन्होंने कहा कि इससे न केवल दायरे और संचालन में सुधार होगा, बल्कि लॉजिस्टिक लागत में भी कमी आएगी।

भारत के दिग्गज टेक्सटाइल ब्राण्ड्स का लाजवाब प्रदर्शन

भारत से टेक्सटाइल उत्पादों के एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस विशाल एग्जीबिशन में भारतीय टेक्सटाइल इण्डस्ट्रीज की पूरी वैल्यू चैन ने पूरी मेहनत के साथ प्रदर्शन किया। फाइबर से लेकर फैशन तक का अत्यंत आर्कषक प्रदर्शन हर किसी के लिए उम्दा अनुभव रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन 5F की सार्थकता भी इस एग्जीबिशन में सिद्ध हुई। फार्म टू फोरेन अर्थात फार्म, फाइबर, फैब्रिक, फैशन एवं फोरेन इस विजन के साथ प्रधानमंत्री ने 5F का नारा दिया। जिसे भारतीय टेक्सटाइल इण्डस्ट्री ने भारत टेक्स -2024 एग्जीबिशन में सिद्ध करके दिखाया। फाइबर से लेकर फैशन के बीच की शृंखला अर्थात यार्न, फैब्रिक्स, होम टेक्सटाइल, बेड एण्ड बाथ, हैण्डीक्राफ्ट क्षेत्र के सप्लायर्स के विशाल डिस्प्ले के साथ स्टेट पेवेलियन, फैशन शो एवं विभिन्न नॉलेज सेशंस ने भारत टेक्स 2024 को अब तक का सबसे बड़ा आयोजन एवं हजारों विजिटर्स की उपस्थिति ने इसे सफलतम एग्जीबिशन शाबित कर दिया। टेक्सटाइल सेक्टर के सभी दिग्गज टेक्सटाइल ब्राण्ड्स ने इसमें शिरकत की। प्लेटिनम पार्टनर आदित्य बिरला ग्रुप, गोल्ड पार्टनर रिलायंस इण्डस्ट्रीज एवं सिल्वर पार्टनर अरविंद, इण्डोरामा, ट्राइडेण्ट ग्रुप, वेलास्पन लिविंग रहे। साथ ही टेक्सटाइल सेक्टर की सभी बड़ी स्पिनिंग मिल्स, फैब्रिक मिल्स, होम टेक्सटाइल एवं बेड एण्ड बाथ क्षेत्र के टॉप ब्राण्ड्स सहित बड़े एपेरल ब्राण्ड्स के जोश ने भारत टेक्स 2024 को अलग ही ऊँचाई प्रदान कर दी।

भारत टेक्स 2024 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के फार्म टू फॉरेन विज़न को पूरा करेगा -श्री पीयूष गोयल

2030 तक 100 अरब डॉलर का निर्यात हासिल करने के लिए स्थानीय कपड़ा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है

नई दिल्ली/ अपने स्वागत भाषण में, केंद्रीय कपड़ा, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि ग्लोबल टेक्सटाइल एक्सपो देश में पहली बार आयोजित किया गया। यह सबसे बड़ा एकीकृत कपड़ा कार्यक्रम है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के फाइव-एफ के दृष्टिकोण - फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से विदेशी बाजारों तक, संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला को कवर करना - की परिकल्पना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है और तीन-एस - कौशल, गति और पैमाने पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। श्री गोयल ने कहा कि मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएं भारत को 2030 तक 100 अरब डॉलर के निर्यात के साथ-साथ 250 अरब डॉलर के उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम बनाएंगी।

श्री गोयल ने कहा कि एक्सपो वैश्विक मंच पर कपड़ा उद्योग की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक साथ रखने और प्रदर्शित करने में सक्षम है और यह वैश्विक कपड़ा महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भारत को एक आकर्षक निवेश और सोर्सिंग गंतव्य के रूप में स्थापित करता है। उन्होंने अपने 'लोकल के लिए वोकल' मंत्र के माध्यम से न केवल देश को स्थानीय उत्पादों का समर्थन करने के लिए एकजुट करने के लिए, बल्कि उन्हें 'लोकल फॉर ग्लोबल' पहल को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मंत्री महोदय ने कहा कि सरकार ने अपनी विभिन्न पहलों- पीएम मित्र, उत्पादन-युक्त प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, समर्थ (कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए योजना) और राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन के माध्यम से कपड़ा उद्योग को भारी प्रोत्साहन प्रदान किया है। उन्होंने आगे कहा कि कपड़ा मंत्रालय ने कपास और मानव निर्मित फाइबर उद्योग के लिए एंड-टू-एंड कनेक्टिविटी बनाने के लिए एक नया कपड़ा सलाहकार समूह बनाया है, जो कपड़ा क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने और बेहतर तालमेल बनाने में मदद करेगा। इस अवसर पर केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश और कपड़ा सचिव श्रीमती रचना शाह भी उपस्थित थीं। एग्जीबिशन के दौरान उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ ने भी शिरकत की।

आकांक्षी भारतीय युवाओं के बदलते उपभोग पैटर्न से कपड़ा उद्योग को होगा लाभ

श्री गोयल ने कहा कि लाखों भारतीय बहुपक्षीय गरीबी से बच गए हैं और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में खपत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज कपड़ा उद्योग आकांक्षी युवा भारत के बदलते उपभोग पैटर्न से लाभ उठा सकता है, जिसने खाद्य महंगाई को नियंत्रण में रखने के सरकार के निरंतर प्रयासों के कारण अन्य उत्पादों पर खर्च करने को प्राथमिकता दी है।

LINEA LUSSO ITALY By TESSITURA MONTI

TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.

Mills:
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer, Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra. INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in

Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027, INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in

Tessitura Monti India Pvt.Ltd. BORN IN ITALY 1911

Auth. Distributors : Maharashtra & Gujarat - M/s Tushar Textiles , Mumbai
Karnataka, Kerala & Goa - M/s Vogue Vastra, Bengaluru
Rajasthan & Haryana - M/s Vinayak Trading Co , Jaipur
Karnataka, AP & Telangana - M/s Padam Fabrics , Bengaluru
AP & Telangana - M/s Payal Saree Centre, Hyderabad
Delhi NCR, Punjab, J & K - M/s SKSN Fabrics, Delhi
Bihar - M/s RC Fabtex , Patna
Tamil Nadu - M/s Sri Prem Syndicate, Chennai

For Distributorship Enquiry in West Bengal, Jharkhand, UP, MP & CG : +91 97028 39191

बिहार हमारे लिए महत्त्वपूर्ण बाजार -सीईओ रीड एण्ड टेलर

पटना/ रतन लाल पंडित

प्रीमियम कपड़ा उद्योग के क्षेत्र की अग्रणी कंपनी रीड एण्ड टेलर ने बिहार में अपने प्रीमियम शर्टिंग और लग्जरी सूटिंग का नया कलेक्शन लाञ्च किया है। फिन्क्वेस्ट ग्रुप द्वारा अधिग्रहित कंपनी का लक्ष्य बड़े पैमाने पर घरेलू बाजार में अपनी पहुँच बढ़ाना है। इस मौके पर रीड एण्ड टेलर ग्रुप के सीईओ श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि एक सरल दृष्टिकोण के साथ कंपनी ने चुनौतियों से सफलतापूर्वक वापसी की और प्रगतिशील विकास पथ पर है। उन्होंने बताया कि बिहार में कंपनी के 90 रिटेलर्स और तकरीबन 10 होलसेलर्स है और इस साल के अंत तक 30-40 रिटेलर्स और बढ़ाने का लक्ष्य है। उन्होंने ने कहा कि हमारे लिए बिहार महत्त्वपूर्ण बाजार है। कंपनी का बिहार में 12 प्रतिशत मार्केट शेयर है। वहीं सेल्स एण्ड मार्केटिंग प्रेसीडेंट श्री सचिन होनमोडे ने कंपनी के नए विजन को साझा करते हुए कहा कि समूह ने ब्राण्ड को पुनर्जीवित करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए 750 करोड़ से अधिक का निवेश किया है। वहीं बिहार एजेंट श्री संजय भरतिया ने कहा कि रीड एण्ड टेलर प्रीमियम सूटिंग सेगमेंट में उत्कृष्टता के नये मानक स्थापित करते हुए भारतीय कपड़ा परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

Rajesh Sharma
SENIOR GM - East.
Our company has been making lot of up gradations to revamp the textile business in India.
-Machinery
-Technology
-Manpower skill development
-Social Aspect
Certification from Govt of India on BIS and ISO are our regular inheritance and we strictly follow norms and parameter.
Our company and our people believe in Building Trust and Grow strongly.
" VISHWAS & VIKASH"

KRIHAAN TEXCHEM PRIVATE LIMITED
A FINQUEST Group Company
Thandya Industrial Area, Thandavapura - 571302,
Nanjangud Taluk, Mysore District, karnataka
Tel : 08221 - 282200, Fax : 08221 - 228710.
email : krihaan@rtil.in
CIN : U74999MH2019PTC321644

Reid & Taylor

Finquest Group & CEO Mr Ajay Agarwal lead Reid & Taylor to New Pinnacles of Success.

In the dynamic world of fashion and textiles, the transformation of the premium suiting and shirting brand Reid & Taylor, under the strategic leadership of Group CEO, Mr Ajay Agarwal at the helm of Finquest Group, has been nothing short of remarkable.

With an ingenious approach, Reid & Taylor has successfully bounced back from challenges and is on a progressive growth trajectory. The brand's renewed focus on quality, innovation, and customer satisfaction, coupled with strategic investments and acquisitions, has positioned Reid & Taylor as a dominant force in the premium textile industry.

Today, Reid & Taylor has expanded its reach with an extensive network of more than 1200 multi-brand outlets (MBOs) and are opening exclusive brand outlets (EBOs) across India. This wide distribution network has not only increased accessibility for consumers but has also played a crucial role in making Reid & Taylor's comeback even stronger.

With a futuristic approach that combines innovation, expansion, and a commitment to quality, Mr Ajay Agarwal & Finquest Group have propelled Reid & Taylor, to greater heights, making it a prominent player in the Indian market.

On 22nd February 2024 at Patna, Company President Sales & Marketing Mr Sachin Honmode shared the new vision, "Vison 24" amongst the prestigious associates of Bihar.

Company has launched new collection in premium and luxury suiting crafted in Scotland and aims to spread its reach in domestic market with a big bang.

Mr Sachin Honmode, thanked on behalf of entire team and said we believe in the word **"Connect"**, our connection with our trade partners reenergizes and encourage us to do the best. We all work with conviction and do good for our associates in all respects with trust and mutual benefit theory. The Company always thinks bigger and always want to progress in steps with high hopes.

Regd. office: #602, Boston House, Next to Cinemax, Suren Road, Andheri (East), Mumbai - 400093
Tel : 022 - 40002600